मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 114 ■ गुरुवार, 17 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

76 साल की हेमा मालिनी ने 30 मिनट डांस किया

अंबरनाथ केबी रोड पर भीषण सड़क दुर्घटना

■ कार डिवायडर से टकरा कर पलट गई

■ 4 लोग घायल

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के.बी. मुख्य सड़क पर दुर्घटनाएं रुकने का नाम ही नहीं ले रही हैं. बुधवार को एक तेज रफ्तार कार डिवायडर से टकरा कर पलट गई और चकनाचूर हो गई. कार चालक एवं उसमें सवार तीन लोग इस प्रकार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. डिवायडर जिससे कार टकरा गई थी, वह भी टूट-फूट गया है. ये दुर्घटना अंबरनाथ आईटीआई के समक्ष हुई है. अंबरनाथ पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई थी. दुर्घटना ग्रस्त कार का नंबर एमएच 05 एफवी 3102 है. एक की हालत गंभीर बताई गई है.

विदित हो कि अंबरनाथ केबी मुख्य महामार्ग पर हफ्ते में एक बार सड़क दुर्घटना हो रही है. उसका कारण ये बताया जा रहा है कि वाहन चालक तेज रफ्तारी से वाहन चलाते हैं. वाहन काबू में नहीं रहने से हादसे हो रहे हैं. ये सड़क साईबाबा मंदिर से फारेस्ट नाका तक 100 फुट चौड़ा बनाकर डिवायडर लगाए गए हैं. बुधवार को हुई दुर्घटना में कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिसके कारण चार लोग घायल हो गए हैं. अंबरनाथ पुलिस अधिक जांच कर रही है.

बारवी डैम में 76 फीसदी पानी

■ जुलाई महिने में रिकॉर्ड जलभराव

16 जुलाई तक बारवी बांध में

वर्ष	प्रतिशत
2025	75.37
2024	42.34
2023	40.87
2022	60 37

अंबरनाथ. मई में शुरू हुई बारिश के साथ, इस साल जुलाई में ही जिले के अधिकांश जलाशय तय समय से पहले भर गए हैं। यह पिछले छह वर्षों में एक रिकॉर्ड है। वैसे जुलाई महीने के मध्य में जलाशय आधे भरे होते हैं। लेकिन इस साल ठाणे जिले की प्यास बुझाने वाला बारावी बांध में रिकॉर्ड 76.64 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। वहीं भातसा बांध में भी 77 प्रतिशत और आंध्र बांध में 72 प्रतिशत जलभराव है। इससे जिले की जल संबंधी चिंता दूर हो गई है।

इस साल मई से ही बारिश शुरू हो गई थी। शुरुआत में राज्य और खासकर कोंकण क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश हुई। इससे मई का महीना होने के बावजूद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। गर्मी के बीच में बारिश हो रही थी। मई महीना बरसाती रहा। मई के आखिरी दिनों में प्री-मानसून बारिश ने फिर से दस्तक दे दी है। पश्चिमी विक्षोभ की बारिश के बाद बेमौसम बारिश हुई। इसलिए, मई में शुरू हुई बारिश अभी भी जारी है। चूँकि बारिश में कोई बड़ा ब्रेक नहीं आया, इसलिए लगातार बारिश के कारण मई के अंत से ही जल स्रोतों में अच्छा भंडारण शुरू हो गया। जून के अंत तक, ठाणे जिले के जलाशय आधे से ज़्यादा भर गए थे। जुलाई के महीने में भी बारिश जारी है। इसलिए, जलाशय अच्छे स्तर पर पहुँच गए हैं।

ठाणे जिले के अधिकांश शहरों को पानी की आपूर्ति करने वाले बारवी बांध में 16 जुलाई में 76.64 प्रतिशत तक जल भंडारण हो गया है। जो कि पिछले वर्ष इसी दिन मात्र 43.29 प्रतिशत था.

बारवी बांध की जल क्षमता 338 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

16 जुलाई को बांध में 259.71 मिलियन क्यूबिक मीटर जल भंडारण था। बारवी बांध 76.64 प्रतिशत भर चुका है। गौरतलब है कि पिछले छह वर्षों में इस वर्ष बारवी बांध में सबसे अधिक जल भंडारण हुआ है। उल्हास नदी, जिसमें आंध्र बांध का पानी भी छोड़ा जाता है, भी पानी से भरी हुई है। आंध्र बांध में भी 72 प्रतिशत जल संग्रहण है। पिछले कुछ वर्षों में जुलाई में आंध्र बांध कभी भी 50 प्रतिशत तक नहीं भरा था। लेकिन इस वर्ष यह रिकॉर्ड टूट गया है। शाहपुर के पास भातसा बांध में भी 730 मिलियन घन मीटर जल संग्रहण है। बांध अपनी क्षमता का 77 प्रतिशत तक भर चुका है। यह भी पिछले कुछ वर्षों का एक रिकॉर्ड है।

ठाणे जिले के गांवों के लिए रेड अलर्ट

ठाणे. जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है और मुंबई व ठाणे शहरों को पानी की आपूर्ति करने वाले मोडकसागर, ऊपरी वैतरणा और मध्य वैतरणा बांधों से पानी का निर्वहन शुरू हो गया है, इसलिए इन बांधों के नीचे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। बांधों के जलग्रहण क्षेत्र में बारिश की तीव्रता बढ़ने के कारण बांध में जल संग्रहण तेजी से बढ़ रहा है। भातसा बांध में मंगलवार को 69 मिलीमीटर बारिश हुई। बताया जा रहा है कि अब तक इस बांध में 1457 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। इस प्रकार बांध में 77.55 प्रतिशत जल संग्रहण है। ऊपरी वैतरणा बांध में 84.78 प्रतिशत जल संग्रहण है और बांध में अब तक 1076 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। इस बांध के अंतर्गत इगतपुरी के पास सचुरली, खारडी और वैतरणा नदी के किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। इस संदर्भ में, नदी में प्रवेश निषिद्ध कर दिया गया है। मध्य वैतरणा बांध में मंगलवार को 94.16 प्रतिशत जलभराव था और बांध क्षेत्र में मंगलवार को 57 मिलीमीटर बारिश हुई। अब तक यहाँ 1721 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। यह बांध जिले के कोचले गाँव के पास है और इस गाँव सहित क्षेत्र के आठ गाँवों और आदिवासी बस्तियों के नागरिकों के नदी तल में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

भातसा नदी के पास निषेधाज्ञा

भातसा बांध का जलस्तर मंगलवार दोपहर 1 बजे 134 .10 मीटर था। लगातार बारिश के कारण, इस बांध के द्वार कुछ ही दिनों में खोले जाने की संभावना है। इसलिए, निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी बांध से छोड़े गए बहते पानी में प्रवेश न करे। ठाणे जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सीईओ, निवासी उप-कलेक्टर संदीप माने ने सभी संबंधित एजेंसियों को आसपास के गाँवों के निवासियों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के तत्काल निर्देश दिए। ठाणे जिला परिषद के मुख्य अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार और शाहपुर, भिवंडी, कल्याण समूह विकास अधिकारियों को भी सतर्क रहने का आदेश दिया गया है। भातसा नदी के किनारे, खासकर शाहपुर-मुरबाड़ मार्ग पर स्थित सापगाँव के सरपंच, तलाठी, ग्राम सेवक और निवासियों को स्थिति पर ध्यान देने के लिए कहा गया है।

अंबरनाथ तालुका सरपंच पद के लिए निकाली गई लॉटरी

■ 28 ग्राम पंचायत के आरक्षण की घोषणा

■ 15 ग्राम पंचायत जनरल

अंबरनाथ. अंबरनाथ तालुका में चुनाव का बिगुल बज गया है. तालुका के 28 ग्राम पंचायत के सरपंच पद आरक्षण की लॉटरी की सभा दूसरी बार संपन्न हुई. अंबरनाथ के महात्मा गांधी स्कूल के सभागृह में सभा संपन्न हुई. उल्हासनगर उप विभागीय अधिकारी विजयनंद शर्मा के नेतृत्व में और तहसीलदार अमित पुरी की अध्यक्षता में सभा संपन्न हुई.

राज्य में ग्राम पंचायत चुनाव कुछ महिने की देरी से होने के कारण ग्राम पंचायत में प्रशासन के माध्यम से कारोबार शुरू है. लेकिन अब ग्राम पंचायत आरक्षण लॉटरी खुलने से राज्य के ग्राम पंचायत चुनाव होने के मार्ग पर है. न्यायालय के आदेश पर फिर एक बार आरक्षण लॉटरी मंगलवार को निकाली गई. 2025 से 2030 तक पांच वर्ष की कालावधि के लिए अंबरनाथ में आरक्षण निकाला गया, जो कि बिना किसी आक्षेप के शांतता से एवं एकमत से हुई. तालुका के बुर्दुल व साई के दो जगह के लिए अनुसूचित जाति प्रवर्ग के लिए आरक्षित, बुर्दुल अनुसूचित महिला प्रवर्ग के लिए आरक्षित रखी गई है. डोणे, मांगरूळ, सांगावे में डोणे अनुसूचित महिला, मांगरूण एवं सागांव अनुसूचित जमाति के लिए आरक्षित हुई. नागरिकों के मागास वर्ग प्रवर्ग महिला के लिए खरड, काकोले, गोरेगांव, ढवळे गांव, कुळसावरे ये ग्रामपंचायत आरक्षित हुए हैं. मूळगांव, सावरे, हाजीमलंग वाड़ी, चामटोली, आरक्षित 15 जगह सर्व साधारण ग्राम पंचायत के लिए आरक्षित हुए हैं. ऐसी घोषणा तहसीलदार ने की है.

बिजली कटौती से नागरिकों में रोष

■ महावितरण कार्यालय पर धमके शिवसैनिक

■ आंदोलन की चेतावनी

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 क्षेत्र में पिछले कई दिनों से बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। जिससे नागरिकों को रात में जागना पड़ रहा है। इससे भी गंभीर बात यह है कि बिजली न होने से पानी की आपूर्ति भी चरमरा रही है। नागरिकों की इस समस्या के खिलाफ आखिरकार शिवसेना (उबाठा) ने आवाज उठाई है। पदाधिकारियों ने सीधे महावितरण कार्यालय पहुँचकर एक ज्ञापन सौंपा है और बिजली आपूर्ति बहाल करने का अनुरोध किया है। अन्यथा, एक ज़ोरदार आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

नागरिकों ने समय-समय पर शिकायत की है, लिखित पत्राचार किया है, लेकिन महावितरण की ओर से कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है। यदि तत्काल सुधार नहीं किया गया और नियमित बिजली आपूर्ति शुरू नहीं की गई, तो शिवसेना (उबाठा) बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरेगी और एक मजबूत आंदोलन शुरू करेगी। चेतावनी दी गई कि इसकी पूरी जिम्मेदारी महावितरण प्रशासन की होगी। इस घटना के कारण, महावितरण की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवालिया निशान खड़ा हो गया है, और अब जब नागरिकों और शिवसेना दोनों ने कड़ा रुख अपनाया है, तो प्रशासन के सामने जिम्मेदारी बढ़ गई है।

शिवसेना (उबाठा) कल्याण जिला प्रमुख धनंजय बोडारे के आदेश और मार्गदर्शन में, उप-शहर संगठक विजय सावंत, विभाग प्रमुख बापू सावंत, उप-विभाग प्रमुख प्रा. प्रकाश माली, अनिल लोंढे और शाखा प्रमुख निखिल पाटिल ने महावितरण कार्यालय पर धावा बोल दिया। चूंकि कार्यकारी अभियंता मौजूद नहीं थे, इसलिए यह बयान सहायक अभियंता नेहा ढोके और कनिष्ठ अभियंता समता जोशी को सौंपा गया।

इस समय, शिवसेना के पदाधिकारियों ने कड़े शब्दों में महावितरण की कार्यप्रणाली पर अपनी नाराज़गी व्यक्त की। पिछले कई महीनों से विभाग में बिजली की आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। इसका असर घरेलू, शैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। जैसे ही पानी की आपूर्ति शुरू होती है, उसी समय लाइट चली जाती है, जिससे अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ती है।

भिवंडी में 3 नाबालिग बच्चों का अपहरण

भिवंडी. शांतिनगर थाना क्षेत्र की सृष्टि विकास कुमार श्रीवास्तव (17) को एक अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया.पुलिस के अनुसार, 14 जुलाई को सृष्टि के माता-पिता काम पर गए थे. तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया. दूसरे मामले में, शहर थाना क्षेत्र की महक आशिकली बेगम (16) सोमवार सुबह 10 बजे अपनी बहन से यह कहकर निकली कि वह काम से बाहर जा रही है, लेकिन वह देर रात तक घर नहीं लौटी. परिवार ने इलाके में उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली.माँ आसमा बेगम ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई.तीसरी घटना में राजनोली बाईपास नाका पर 14 वर्षीय मनीषा दीवान भिवंडी बाईपास से लापता हुई. पिता दीवान कालू मेहदा ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कोनगांव पुलिस में मामला दर्ज कराया है.

अंबरनाथ तालुका में पत्थर खदान पर 190 करोड़ रुपये का जुर्माना

■ बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश

बदलापुर. बदलापुर के पास दो गाँवों, चिंचवली और कोपराची वाडी, में पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र में पत्थर की खदान चल रही थी। ग्रामीणों को डर था कि इस पत्थर खदान के कारण भूस्खलन और चट्टानें गिरने से गाँव नष्ट हो जाएगा। अंततः, इस संबंध में, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इस पत्थर खदान के मालिक पर अनुमति से अधिक उत्खनन करने के लिए 190 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

यह पहली बार है कि राज्य में किसी पत्थर खदान पर इतना बड़ा जुर्माना लगाया गया है। पत्थर खदान के कारण ग्रामीणों के स्वास्थ्य को खतरा था। इसलिए, ग्राम पंचायत द्वारा इस पत्थर खदान को बंद करने का प्रस्ताव पारित करने के बाद भी, यह पत्थर खदान बंद नहीं की गई थी। अंततः, पिछले दो वर्षों से, एक सामाजिक संगठन, वनशक्ति ने ग्रामीणों के साथ मिलकर उच्च न्यायालय में इस संबंध में लड़ाई लड़ी। उसके बाद, इस पत्थर खदान के मालिक पर अनुमत क्षेत्र के बाहर 1 लाख 30 हज़ार ब्रास पत्थर की खदानों का उत्खनन करने और उसकी रॉयल्टी न चुकाने के लिए 190 करोड़ 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही, उच्च न्यायालय ने भी जिलाधिकारी को इसका पालन कराने का आदेश दिया है।

ग्रामीणों ने उच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत किया है क्योंकि अब यह पत्थर खदान बंद हो जाएगी। कोपरिया वाडी और चिंचोली क्षेत्रों के ग्रामीणों का स्वास्थ्य एक समस्या बन गया था। लगातार वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और खदान से निकलने वाले पानी के कारण यहाँ के किसानों की ज़मीन भी बंजर हो गई थी। साथ ही, किसानों के पीने के पानी के झरने भी अवरुद्ध हो गए थे।

बेरोजगारी ने बनाया चोर

कल्याण. बेरोजगारी से त्रस्त एक युवक ने कल्याण के रामबाग इलाके से सड़क किनारे खड़ी एक रिक्शा चोरी कर उसी रिक्शा को खुद चलाना शुरू कर दिया। मगर पुलिस की नजर से वह ज्यादा दिन बच नहीं सका।

महात्मा फुले पुलिस स्टेशन की टीम ने 23 वर्षीय आरोपी आशीष मोरे को चोरी की गई रिक्शा के साथ गिरफ्तार कर लिया है। आशीष मोरे भिवपुरी (कर्जत) का निवासी है और बेरोजगारी की वजह से उसने यह कदम उठाया। फिलहाल महात्मा फुले पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कल्याण में यातायात पुलिस की लापरवाही

■ टेंपो में ढोये जा रहे विद्यार्थी

कल्याण. अंबरनाथ में एक निजी स्कूल की तेज़ रफ़्तार वैन से दो बच्चों के सड़क पर गिरने की घटना अभी ताज़ा है, लेकिन अब कल्याण में सामान ढोने वाले एक टेंपो में छात्रों को ले जाते हुए एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जहाँ छात्रों को इस खतरनाक तरीके से स्कूल पहुँचाया जा रहा है, वहीं नागरिक इस बात पर नाराज़ हैं कि आरटीओ और यातायात पुलिस इसकी अनदेखी कर रहे हैं।

कल्याण पूर्व के पत्री पुल इलाके में एक टेंपो में बच्चों को स्कूल ले जाते हुए एक तस्वीर सामने आई। इस टेंपो में न तो बैठने की सुरक्षित व्यवस्था थी और न ही दरवाज़े बंद थे। ये बच्चे टेंपो की लोहे की छड़ें पकड़े खड़े थे. डर था कि अगर गति बढ़ गई या बच्चे

स्पीड ब्रेकर से टकरा गए, तो वे सीधे सड़क पर गिर जाएँगे। ट्रैफ़िक पुलिस और ट्रैफ़िक वार्डन कुछ दूरी पर खड़े थे।

कल्याण आरटीओ के उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशुतोष बरकुल ने बताया कि अंबरनाथ हादसे में किसी की जान नहीं गई। संबंधित वाहन का आरटीओ ने चालान कर दिया है और उसे ज़ब्त भी कर लिया गया है। इस संबंध में सभी स्कूलों को सर्कुलर जारी कर दिया गया है। स्कूल अभिभावक समिति के अध्यक्ष होने के नाते, प्रधानाध्यापक या प्रिंसिपल की भी ज़िम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करें कि छात्र उचित दस्तावेज़ों के साथ वाहनों में आएँ। उन्होंने अभिभावकों से एम-परिवहन ऐप का इस्तेमाल करके यह सत्यापित करने की भी अपील की कि उनके बच्चे वैध वाहन में यात्रा कर रहे हैं।

टिटवाला मंदिर के पास मनपा ने कीचड़ की सफाई की

कल्याण. टिटवाला स्थित श्री महागणपति मंदिर के पास पार्किंग स्थल पर गाद और कीचड़ जमा होने की शिकायत मिलने के बाद, आयुक्त अभिनव गोयल के आदेश पर, वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने मनपा के सफाई कर्मचारियों और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की मदद से पार्किंग स्थल पर बारिश से जमा गाद और वाहनों के आवागमन से बने कीचड़ की सफाई की. यहाँ नियमित रूप से कीटाणुनाशक का छिड़काव करने की व्यवस्था की गई.

टिटवाला स्थित महागणपति मंदिर में प्रतिदिन सैकड़ों भक्त आते हैं. मंदिर क्षेत्र में पार्किंग स्थल पर भक्तों के वाहनों का आना-जाना लगा रहता है. पिछले कुछ दिनों से नाले पर जमा बारिश के पानी की उचित निकासी नहीं हो रही थी. इस जमा पानी से पार्किंग स्थल पर कीचड़ जमा हो गया था. सामाजिक कार्यकर्ता विजयभाऊ देशेकर ने प्रशासन से इसकी शिकायत की. इन पार्किंग स्थलों में कीचड़, गाद और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप की शिकायतें बढ़ने पर, आयुक्त अभिनव गोयल ने वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल को महागणपति मंदिर के पास पार्किंग स्थल में जमा पानी, गाद और कीचड़ की समस्या का तुरंत समाधान करने का आदेश दिया.

सहायक आयुक्त पाटिल मनपा की दमकल और सफाई कर्मचारियों की टीमों के साथ महागणपति मंदिर के पास पार्किंग स्थल पर पहुँचे. सबसे पहले, दमकल कर्मियों ने पार्किंग स्थल में जमा गाद पर फायर पंप से उच्च दाब पर पानी का छिड़काव किया और गाद को धोया. पार्किंग स्थल के पास सीवर में गाद से अवरुद्ध नालियों को खोला गया. उनके माध्यम से पार्किंग स्थल का पानी सीवर में डाला गया. दमकल कर्मियों ने उच्च दाब वाले पानी से पार्किंग स्थल की सफाई की, जिससे पार्किंग स्थल गाद और कीचड़ से मुक्त हो गया.

इसके बाद, सफाई कर्मियों ने पार्किंग क्षेत्र में पेड़ों, झाड़ियों और दुकानों के कोनों पर कीटाणुनाशक का छिड़काव किया.

ओला, उबर चालकों की हड़ताल से यात्रियों को परेशानी

■ यात्रियों ने रिक्शा का सहारा लिया

कल्याण. ओला, उबर, रैपिडो चालकों ने ओला, उबर, रैपिडो की मनमानी दरों को रोकने और उनकी जगह सरकारी मीटर दरें लागू करने तथा किसी भी रूप में बाइक टैक्सी की अनुमति न देने सहित अन्य प्रमुख मांगों को लेकर मंगलवार से पूरे राज्य में हड़ताल का आह्वान किया है। उनकी मांगें न माने जाने पर ओला, उबर, रैपिडो चालकों की हड़ताल लगातार दूसरे दिन यानी बुधवार को भी जारी है। रिक्शा चालकों ने इस हड़ताल में भाग नहीं लिया है। ओला, उबर ऐप पर रिक्शा उपलब्ध होने के कारण, कई यात्रियों ने काम पर जाने के लिए रिक्शा का सहारा लिया है।

मुंबई महानगरीय क्षेत्र में राज्य परिवहन सेवा की बसों के साथ-साथ विभिन्न महानगर पालिकाओं की परिवहन सेवाएं भी संचालित होती हैं। ये बसें पूरे महानगरीय क्षेत्र में विभिन्न मार्गों पर संचालित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, मुंबई महानगरीय क्षेत्र काफी हद तक शहरीकृत हो गया है। इस कारण, यात्रियों की संख्या की तुलना में ये बसें अपर्याप्त होती जा रही हैं। यही कारण है कि कई यात्रियों ने निजी परिवहन का रुख किया है। अगर आप अपना वाहन लेकर जाते हैं, तो उसे पार्क करने के लिए पार्किंग ढूंढनी पड़ती है और अगर पार्किंग है, तो उसका शुल्क भी देना पड़ता है। साथ ही, ट्रैफिक जाम के कारण ईंधन पर भी अधिक खर्च होता है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, यात्री अब ओला, उबर, रैपिडो जैसी निजी कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली परिवहन सुविधाओं का विकल्प चुन रहे हैं। साथ ही, उन्हें ट्रैफिक जाम में गाड़ी चलाने की परेशानी से भी बचना पड़ता है और शेयरिंग विकल्प से यात्रा की लागत कम हो जाती है। इसी वजह से, कंपनी के वाहनों की भारी मांग है। हालाँकि, ओला, उबर के ड्राइवरों ने विभिन्न मांगों को लेकर अचानक हड़ताल कर दी है।

हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

ओला, उबर, रैपिडो की मनमानी दरें बंद करें और मीटर दरें सरकारी करें। किसी भी रूप में बाइक टैक्सी न चलाएँ। रिक्शा और कैब परमिट सीमित करें। रिक्शा टैक्सी कल्याण बोर्ड लागू करें। महाराष्ट्र गिग वर्कर्स एक्ट लागू करें, ऐसी प्रमुख मांगों को लेकर ओला, उबर और रैपिडो कंपनियों के ड्राइवरों ने मंगलवार को हड़ताल का आह्वान किया था और ड्राइवर मुंबई के आज़ाद मैदान में एकत्र हुए थे। लेकिन जब उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो उन्होंने मंगलवार रात हड़ताल जारी रखने का फैसला किया। इसके चलते ड्राइवरों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही और ओला, उबर, रैपिडो जैसी कंपनियों द्वारा परिवहन सेवाएँ प्रदान करने वाले वाहन सड़कों पर नहीं दिखे।

पुलिस कांस्टेबल पर हमला, मनसे के शहर उपाध्यक्ष पर मामला दर्ज

नवी मुंबई. नवी मुंबई मनसे के शहर उपाध्यक्ष नीलेश बाणखेले और उनके 10-15 साथियों ने एक मामूली यातायात विवाद को लेकर नवी मुंबई पुलिस बल के एक कांस्टेबल पर हमला कर दिया। रबाले पुलिस ने बाणखेले और उनके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित सागर भोसले (35) नवी मुंबई पुलिस मुख्यालय में पुलिस कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं और अपने परिवार के साथ ऐरोली में रहते हैं। 13 जुलाई की रात करीब 11 बजे, भोसले गांधी गार्डन के पास वाले इलाके से होते हुए घर लौट रहे थे, तभी यह घटना घटी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बोलने की भी सीमा होनी चाहिए

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्ति की आजादी एक जीवन-तत्त्व के रूप में काम करती है। यह एक प्रगतिशील सोच वाले समाज की परिपक्वता की भी पहचान है कि वह किसी के विचार पर गौर करे और चाहे तो अनदेखी करे। उससे आगे अगर सहमति-असहमति का प्रश्न आता है, तो उसके लिए लोकतांत्रिक मूल्यों का निर्वाह करे। विडंबना यह है कि कई बार अभिव्यक्ति को सवालों के घेरे में आते देखा जाता है, तो कभी उसे सीमित करने की भी कोशिश की जाती है। ये दोनों स्थितियां लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है कि एक ओर अधिकार के रूप में अभिव्यक्ति को बाधित नहीं किया जाए, तो दूसरी ओर इसकी गरिमा को बनाए रखने की कोशिश की जाए।

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया के एक मंच पर कथित आपत्तिजनक व्यंग्य-चित्र लगाने के संदर्भ में कार्टून बनाने वाले को दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। हालांकि अदालत ने सोशल मीडिया पर बढ़ती आपत्तिजनक सामग्री पर चिंता जाहिर की और इस पर अंकुश लगाने के लिए न्यायिक आदेश पारित करने की जरूरत पर भी जोर दिया। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर जिस तरह कुछ लिखते या चित्र प्रसारित करते हुए लापरवाही बरतने की होड़-सी देखी जा रही है, उसमें सुप्रीम कोर्ट की चिंता वाजिब हो सकती है। मसलन, कुछ महीने पहले एक यूट्यूब चैनल पर कार्यक्रम के दौरान आपत्तिजनक भाषा, महिला विरोधी टिप्पणियां और दिव्यांगों का उपहास करने वाली सामग्री का प्रसारण किया गया था। स्वाभाविक ही इसे अभिव्यक्ति के अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा गया। इस तरह की सामग्रियों को हतोत्साहित करने के लिए ऐसे नियमन पर विचार किया जा सकता है, जो परिपक्व तरीके से होने वाले संवाद को बढ़ावा दे। मगर सवाल है कि यह परिभाषित कौन और किस आधार पर करेगा कि कोई अभिव्यक्ति आपत्तिजनक है या नहीं! फिर अभिव्यक्ति और उसके स्वरूप को परिभाषित या सीमित करने के नियम का दुरुपयोग हुआ तो वैसी स्थिति में क्या किया जाएगा? यह भी ध्यान रखना होगा कि सत्य और तथ्य को उजागर करने को सरकारें अपनी सुविधा के मुताबिक देखना शुरू न करें, क्योंकि इससे सबसे ज्यादा नुकसान अभिव्यक्ति के अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों को होगा।

निराश-हताश करती नौकरशाही, कई मामलों में स्थिति जस की तस

नौकरशाही के कार्य-व्यवहार को जानने के लिए चंद दिनों की कुछ चर्चित घटनाओं पर चर्चा करते हैं। कुछ दिनों पहले गुजरात में दो प्रमुख शहरों को जोड़ने वाला एक पुल गिर गया। महिसागर नदी पर बने गंभीरा पुल के दो हिस्सों में टूटने से उस पर चल रहे कई वाहन नदी में गिर गए। इस हादसे में मरने वालों की संख्या 20 तक पहुंच चुकी है।

इस हादसे के बाद शोक संवेदना, जांच, कार्रवाई के वैसे ही स्वर सुनाई दिए, जैसे सुनाई देते रहते हैं। पुल गिरने के लिए कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इन निलंबित अधिकारियों को देर-सबेर बहाल कर दिया जाए तो बड़ी बात नहीं। यह पुल 40 साल पुराना था, लेकिन इतना पुराना पुल बहुत पुराना नहीं होता। आमतौर पर पुल सौ साल तक चल जाते हैं। देश में अंग्रेजों के बने कई पुल कायम हैं, लेकिन भारतीयों के बनाए पुल बनने के पहले ही गिर जाते हैं।

गुजरात में पुल गिरने की घटना की विपक्षी दलों ने खूब निंदा-आलोचना की। उन्हें भाजपा, गुजरात सरकार और मोदी सरकार की आलोचना करने का अवसर मिला था। उन्होंने इसे अच्छे से भुनाया। ऐसा अवसर भाजपा को मिलता है तो वह भी उसे भुनाती। राजनीति में ऐसा होता ही है, लेकिन यदि नेताओं, नौकरशाहों, ठेकेदारों के भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगी तो आगे भी पुल गिरते रहेंगे। सड़कें भी टूटती-धंसती और जल भराव का शिकार होती रहेंगी। ऐसा मुंबई, बेंगलुरु और यहां तक कि राजधानी दिल्ली में भी होगा।

होगा क्या, हो रहा है। थोड़ी सी

बरसात में बड़े महानगरों की सड़कें भी जलमग्न हो जाती हैं। अब तो लोगों ने यह मान लिया है कि बरसात में सड़कों और यहां तक कि हाईवे में भी अतिरिक्त ट्रैफिक जाम का सामना करना उनकी नियति है। देश में न तो सड़कों और पुलों का घटिया निर्माण रुक रहा है और न ही सड़क दुर्घटनाओं में मरने एवं घायल होने वालों की संख्या में कमी आ रही है। इन दिनों जहां भी सामान्य से तनिक अधिक बारिश हो जा रही है, वहां वह मुसीबत बन जा रही है। पहाड़ों में तो ऐसा खास तौर पर हो रहा है।

जब कोई बड़ी घटना घटने के साथ जनहानि हो जाती है तो मुआवजे की भी घोषणा कर दी जाती है, लेकिन सरकारी निर्माण में भ्रष्टाचार पर रोक के प्रभावी उपाय देखने को नहीं मिल रहे हैं। ऐसे उपाय न तो केंद्र सरकार की निर्माण परियोजनाओं में देखने को मिल रहे हैं और न ही राज्य सरकारों की परियोजनाओं में। जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार आज के भारत की एक कड़वी सच्चाई है। इस सच्चाई से मुंह मोड़ने का कोई मतलब नहीं।

ऐसा नहीं है कि सरकारी निर्माण में भ्रष्टाचार केवल कुछ राज्य सरकारों अथवा केंद्र सरकार तक सीमित है। यह एक राष्ट्रीय सरकारी बीमारी है। यह सही है कि देश में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है। बुनियादी ढांचे का सरकारी निर्माण होने के साथ निजी क्षेत्र में भी निर्माण हो रहा है, लेकिन निर्माण कार्यों के भ्रष्टाचार में सरकार और निजी क्षेत्र में कोई भेद नहीं दिखता। यदि नया बना कुछ टिकेगा ही नहीं, तो नया भारत कैसे बनेगा? देश में तेजी से बहुत कुछ बन रहा है तो वह गिर भी क्यों रहा है? इस निष्कर्ष पर भी नहीं पहुंच जाना चाहिए कि भ्रष्टाचार केवल निर्माण कार्यों में ही है।

भ्रष्टाचार शासन-प्रशासन के अन्य अंगों में भी है और कहीं-कहीं तो इस हद तक है कि वह देश के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इसका एक ताजा उदाहरण उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में मिला। यहां एक कथित फकीर जलालुद्दीन उर्फ छांगुर हिंदू युवतियों को छल-बल से इस्लाम में ला रहा था। इस पीर-फकीर को विदेश से भी पैसा मिल रहा था।

अपने देश में भारत के इस्लामीकरण की सनक से ग्रस्त और भी जलालुद्दीन होंगे और वे भी विदेश से पैसा पाते होंगे, लेकिन बलरामपुर के मामले में सबसे घातक बात यह है कि छांगुर को कुछ सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का भी संरक्षण प्राप्त था। यह संरक्षण केवल गुनाह ही नहीं, एक तरह से देश से गद्दारी भी है।

जब हम प्रभु-प्रेम में रंगे जाते हैं, तो हम प्रभु से एकमेक भी हो जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.५० तक

ईंधन स्विच की लापरवाही या तकनीकी चूक?

अहमदाबाद में पिछले माह हुए बोइंग विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट ने शासन एवं प्रशासनिक अमले की आंख खोल दी है। जांच रपट में कहा गया था कि हादसे के वक्त विमान के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गए थे। विमानन नियामक डीजीसीए ने अब इस पर गंभीरता दिखाते हुए एअरलाइन कंपनियों से अपने बोइंग 787 और 737 विमानों में ईंधन स्विच प्रणाली की जांच करने को कहा है।

कुछ विमानन कंपनियों ने तो इन दिशा-निर्देशों से पहले ही अपने विमानों की जांच शुरू कर दी थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि विमानन नियामक व संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता एवं गंभीरता हादसे के बाद दिखाई है, क्या वह पहले अनुपस्थित थी। अगर नहीं, तो इसकी जरूरत अब क्यों पड़ी? फिर क्या अनिवार्य तौर पर एहतियात बरतने की यह प्रणाली भविष्य में भी सुचारु रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है कि आमतौर पर किसी हादसे के सबक का असर प्रबंधकीय तंत्र पर ज्यादा दिन तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर चलने लगती है।

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया था कि एअर इंडिया के विमान बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच अचानक

बंद हो गए थे। रपट में 'काकपिट वायस रेकार्डिंग' के हवाले से यह भी कहा गया कि विमान के एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि ईंधन स्विच बंद क्यों किया, तो जवाब मिला कि उन्होंने ऐसा नहीं किया।

हालांकि, यह आशंका भी जताई जा रही है कि हो सकता है पायलट ने गलती से ईंधन नियंत्रण स्विच बंद कर दिए हों। मगर, विमानन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ इन आशंकाओं को यह कहकर खारिज कर रहे हैं कि पायलट के लिए इस स्विच को गलती से बंद कर देना आसान नहीं, क्योंकि इसमें 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। यानी प्रारंभिक जांच रपट में सवाल तो उठाए गए हैं, लेकिन उनका जवाब आगे की जांच पर छोड़ दिया गया है।

जांच रपट में एक और हैरान कर देने वाला खुलासा किया गया है कि हादसे का शिकार हुए विमान की ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की उड़ान से पहले जांच नहीं की गई थी, क्योंकि यह कभी अनिवार्य नहीं था और वर्ष 2023 से ईंधन नियंत्रण स्विच से संबंधित कोई दोष भी सामने नहीं आया। जबकि अमेरिकी नियामक संघीय विमानन प्रशासन ने (एफएए) ने वर्ष 2018 में 787 और 737 सहित बोइंग विमानों के कुछ माडल में ईंधन स्विच प्रणाली में खराबी की आशंका का संकेत दिया था। मगर हादसे की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया है कि इस सूचना में कोई ऐसा संकेत नहीं था, जिससे यह मुद्दा सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय लगे।

ऐसे में यह सवाल अहम है कि जब नियमानुसार उड़ान से पहले विमान के बाकी सभी उपकरणों व प्रणालियों की जांच की जाती है तो इस दौरान एहतियाती तौर पर ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की जांच भी जरूरी क्यों नहीं हो? भारतीय विमानन कंपनियां 150 से अधिक बोइंग 737 और 787 विमानों का संचालन करती हैं। ऐसे में इस प्रणाली की जांच के महत्त्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि डीजीसीए के ताजा दिशा-निर्देशों पर गंभीरता से अमल होगा और विमान यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की दिशा में बेहतर उपाय किए जाएंगे।

बाइक है या साइकिल, बंदे ने की जबरदस्त जुगाड़

भारत जुगाड़ का देश है. यह कहना गलत नहीं है. यहां लोग ऐसी ऐसी जुगाड़ ले कर आते हैं. जुगाड़ के जरिए ऐसे ऐसे समधान लाते हैं कि आम

जरा हट के

लोग तो क्या कई बार एक्सपर्ट्स भी हैरान हो जाते हैं. जुगाड़ वैसे तो हर तरह के भारतीय दिखाते रहते हैं. पर कई लोग मानते हैं कि इसमें सबसे ज्यादा उस्ताद मैकेनिक लोग ही हुआ करते हैं. वे कई बार एक कंपनी की बाइक में दूसरी कंपनी का पुर्जा फिट कर गाड़ी को सही सलामत चलाते हुए भी देखे जा चुके हैं. एक शख्स ने तो कमाल ही तकर दिया. उसने साइकिल में ऐसी जुगाड़ कर डाली कि वह बाइक के आनंद ले सकता है, लेकिन पुलिस वाला उसका चालान भी नहीं काट सकता है.

एक बार समाधान निकल जाए

हिंदी में एक कहावत "कहीं का राग, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा!" यह कहावत

कुछ मायनों में जुगाड़ की ओर भी इशारा करती है. यहां लक्ष्य पर अधिक ध्यान रहता है, साधन या माध्यम पर नहीं. और फिर एक बार समाधान निकला आए तो अगर मगर की सारी संभावनाएं खत्म हो जाती हैं. इस वीडियो में भी ऐसा ही कुछ दिख रहा है.

चकरा जाएगा सिर

वीडियो में हम एक वाहन देखते हैं जिसे देख कर समझ में नहीं आता है कि वह साइकिल है यो मोटरसाइकिल. इसका कारण ये है कि ऊपर से ये बाइक दिखती है, लेकिन नीचे से ये साइकिल होती है. लेकिन असल में ये साइकिल ही है क्योंकि इसमें इंजन नहीं है. इसे साइकिल की तरह ही चलाना होता है. बस इसका हैंडल और पैट्रोल की टंकी और सीट मिल कर मोटरसाइकिल की फीलिंग देते हैं.

बाइक में साइकिल

वीडियो में एक शख्स इसके बारे में बता रहा है. वह कहता है, "जरा इन भाईसाहब को देख लो भइया, बार बार चालान से हेलमेट से परेशान हो जा रहे हैं. तो इन्होंने क्या किया कि बाइक के नीचे के इंजन खोल कर, उसमें साइकिल फिट करवा दी. अब ना रहेगा बांस ना बजेगा बासुंरी, अब कौन इनका चालान काटेगा?"

आलू पनीर मसाला

- **सामग्री :**
- लू : 2
- पनीरः 200 ग्राम
- प्याजः 2
- टमाटरः 3
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 बड़ा चम्मच
- हरी मिर्चः 1-2
- दहीः 2 बड़े चम्मच
- तेल/घीः 3-4 बड़े चम्मच
- जीराः 1 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडरः 1.5 छोटा चम्मच
- गरम मसालाः 1/2 छोटा चम्मच
- कसूरी मेथीः 1 छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- हरा धनियाः बारीक कटा हुआ
- **विधि :**

सबसे पहले एक कड़ाही में थोड़ा तेल गरम करें। पनीर के टुकड़ों को हल्का सुनहरा होने तक तल लें। तले हुए पनीर को गरम पानी में थोड़ी देर भिगोकर रखें ताकि वे नरम रहें। इसके बाद उसी कड़ाही में बचा हुआ तेल या थोड़ा और तेल डालकर गरम करें। जीरा डालें और जब वह चटकने लगे तो बारीक कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा

होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भूनें। फिर टमाटर की प्यूरी डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मसाले को तब तक भूनें जब तक कि तेल अलग न होने लगे। यह ग्रेवी का स्वाद बढ़ाने के लिए बहुत ज़रूरी है।

आंच धीमी करके फेंटा हुआ दही डालें और लगातार चलाते रहें ताकि दही फटे नहीं।

अब उबले हुए आलू के टुकड़े और तले/बिना तले पनीर के टुकड़े डालें। अच्छी तरह से मिलाएं ताकि मसाले आलू और पनीर पर अच्छे से लग जाएं। 1/2 से 1 कप गरम पानी डालें। ढककर धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक पकाएं। अब गरम मसाला और कसूरी मेथी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। एक मिनट और पकाएं। आखिर में, गैस बंद कर दें और कटे हरे धनिए से गार्निश करें।

बच्चों का घटता जा रहा है पढ़ाई से फोकस, हो रहे हैं चिड़चिड़े

आज के समय में मोबाइल फोन्स और कंप्यूटर हमारे जीवन के अहम हिस्सा बन चुके हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इससे दिनभर चिपके रहते हैं। दुकान पर पेमेंट करने से लेकर ऑनलाइन सर्फिंग तक, हमारे दिन का एक लंबा समय मोबाइल फोन्स के साथ बीतता है। इस छोटे से उपकरण पर हमारी निर्भरता बीते कुछ वर्षों में काफी बढ़ गई है। पर क्या आप जानते हैं कि मोबाइल से दिनभर चिपके रहने की ये आदत सेहत के लिए गंभीर समस्याएं बढ़ाने वाली हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों के मानसिक सेहत पर इसका नकारात्मक असर देखा जा रहा है।

डिजिटल डिवाइस पर बढ़ती निर्भरता खतरनाक

एम्स द्वारा इसी संबंध में किए गए एक अध्ययन में विशेषज्ञों ने पाया कि भारत में 8 से 14 की आयु वाला हर 3 में से 1 बच्चा डिजिटल

अध्ययनों से क्या पता चला?

जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जामा) साइकेट्री जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक दिन में 2 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में ध्यान देने की क्षमता 60% तक कम हो जाती है। इतना ही नहीं मोबाइल फोन्स का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों के मूड और व्यवहार में बदलाव का कारण बनता जा रहा है। जिन बच्चों का स्क्रीन टाइम अधिक है उनमें चिड़चिड़ापन, अधीरता जैसी दिक्कतें भी अधिक देखी जा रही हैं।

डिवाइस पर निर्भर हो चुका है, जो एक तरह की लत है। इसका असर ये है कि इससे उनके लिए किसी एक काम या पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना कठिन हो गया है।

मोबाइल की लत से होने वाले नुकसान का दूसरा पहलू ये है कि ये बच्चों की नींद को प्रभावित कर रहा है। अध्ययन में पाया गया कि रात को स्क्रीन देखने से नींद की गुणवत्ता 45% तक घटती है, जिससे अगली सुबह स्कूल में एकाग्रता पर असर होता है।

क्या है इसके पीछे की वजह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चे के ध्यान और एकाग्रता अवधि पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है, इसके पीछे का साइंस ये है कि स्क्रीन टाइम का बढ़ना बच्चों के संज्ञानात्मक कौशल के विकास को प्रभावित करता है। स्क्रीन वाले उपकरणों के साथ चिपके रहने के चलते बच्चे, अपने दोस्तों-साथियों से कम मिलते हैं जिसके कारण वह वास्तविकता से अलग आभासी दुनिया में ही जीते रहते हैं। –

इसके अलावा रील्स पर स्क्रॉल करते रहने की आदत ने बच्चों को अस्थिर बना दिया है, लिहाजा एक काम पर वे बहुत देर तक फोकस नहीं रह पाते हैं।

इन समस्याओं को कम करने के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, स्क्रीन का इस्तेमाल बुरा नहीं है, लेकिन बिना कंट्रोल के स्क्रीन टाइम, बच्चों के भविष्य को स्क्रीन के पीछे छिपा सकता है। माता-पिता और स्कूल मिलकर एक ऐसी रणनीति बनाएं जिसमें टेक्नोलॉजी का उपयोग भी हो, लेकिन बच्चों का मानसिक और शैक्षणिक विकास भी बरकरार रहे।

- रोज के स्क्रीन टाइम का लिमिट सेट करें, विशेषज्ञ 1 घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम का इस्तेमाल न करने की सलाह देते हैं।
- स्क्रीन पर अधिक समय बिताने के बजाय खेल, ड्राइंग, म्यूजिक या आउटडोर एक्टिविटी में बच्चों को व्यस्त रखें।
- सोने से 1 घंटे पहले मोबाइल बंद करें। इससे नींद बेहतर होगी और अगला दिन फोकस में रहेगा।
- ऑफलाइन पढ़ाई की आदत बनाएं। किताबों से पढ़ना फिर से नियमित करें, जिससे ध्यान और स्मृति बेहतर हो।

आज का राशिफल

मेष : घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ : सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जल्दबाजी से हानि संभव है। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मिथुन : आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें।

कर्क : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह : आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या : दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

तुला : बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें। दूसरों की बातों में नहीं आएं। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा।

वृश्चिक : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

धनु : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। विवाद न करें।

मकर : व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। मन नहीं लगेगा।

कुंभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे। चिंता रहेगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मीन : रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल है, जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लंच के बाद छा जाती है सुस्ती?

- **एक्सपर्ट बता रही हैं नींद भगाने के 3 आसान तरीके**

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि दोपहर का खाना खाते ही आपको नींद आने लगती है? काम करने का मन नहीं करता और बस सो जाने का दिल चाहता है? अगर हां, तो बता दें कि इसे 'फूड कोमा' या 'पोस्ट-लंच डिप्रेशन' भी कहते हैं, जो आपकी प्रोडक्टिविटी को कम कर सकता है।

ऐसे में, न्यूट्रिशनिस्ट रिता जैन कुछ ऐसे आसान तरीके बता रही हैं जिनसे आप इस सुस्ती को आसानी से भगा सकते हैं।

- **प्लेट में शामिल करें 'सही' कार्बोहाइड्रेट**

अक्सर हम दोपहर के खाने में ऐसी चीजें खा लेते हैं जो हमें तुरंत एनर्जी तो देती हैं, लेकिन उतनी ही जल्दी हमें थका भी देती हैं। इसकी वजह है सिंपल कार्बोहाइड्रेट्स। सफेद चावल, मैदा से बनी चीजें (जैसे नूडल्स, ब्रेड) और स्वीट ड्रिंक्स बहुत जल्दी पच जाते हैं, जिससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता और गिरता है। इसी उतार-चढ़ाव से सुस्ती आती है।

इसकी बजाय, अपनी डाइट में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स को शामिल करें। इनमें फाइबर भरपूर होता है और ये धीरे-धीरे पचते हैं, जिससे एनर्जी का स्तर स्थिर रहता है।

- **खाने के बाद 15-20 मिनट की वॉक**

खाना खाने के तुरंत बाद कुर्सी पर बैठ जाना या लेट जाना सुस्ती को न्योता देने जैसा है। एक्सपर्ट सलाह देती हैं कि दोपहर के भोजन के बाद कम से कम 15-20 मिनट की हल्की सैर करें। यह सिर्फ आपकी पाचन क्रिया को बेहतर नहीं बनाता बल्कि ब्लड सर्कुलेशन को भी बढ़ाता है।

हल्की चहलकदमी करने से आपके शरीर में ऑक्सीजन का फ्लो बेहतर होता है, जिससे आप तरोताजा और एक्टिव महसूस करते हैं। लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करें या अपने ऑफिस परिसर में ही थोड़ा टहल लें।

- **खाने के साथ या बाद में पिएं छाछ**

छाछ एक शानदार ड्रिंक है जो दोपहर के भोजन के बाद की सुस्ती को दूर करने में बहुत असरदार है। छाछ न केवल पेट को हल्का रखती है बल्कि इसमें प्रोबायोटिक्स भी होते हैं जो पाचन में मदद करते हैं। यह आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और इसमें मौजूद गुण आपको एनर्जेटिक महसूस कराते हैं। आप खाने के साथ या खाने के तुरंत बाद एक गिलास सादी छाछ पी सकते हैं। ध्यान रखें कि इसमें ज्यादा मसाले या नमक न डालें, ताकि यह अपना काम ठीक से कर

ताकत से भरपूर सत्तू

चने का सत्तू तो आपने जरूर पिया होगा, लेकिन आज हम आपको आदिवासियों के टॉनिक ड्रिंक के बारे में बताने वाले हैं, जिसे वे लोग हर दिन सुबह-सुबह पीते हैं और इसके बाद पूरे 16 घंटे तक इतने ऊर्जावान रहते हैं कि अगर वे दोपहर का खाना न भी खाएं तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता. दरअसल, ये लोग बाजरे का सत्तू पीते हैं, जो स्वादिष्ट तो होता ही है, सेहत के लिए भी किसी रामबाण से कम नहीं.

पोषक तत्वों से भरा

बाजरे में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें विटामिन A, B, C, जिंक, पोटेशियम, फोलिक एसिड, ओमेगा-3, कैल्शियम वगैरह. मात्र एक चम्मच सत्तू में ये सब मौजूद होते हैं. ऐसे में अगर आप इसे एक गिलास पानी में घोलकर पी लें तो यह शरीर में पोषक तत्वों की कमी तुरंत पूरी कर देता है और शरीर को एनर्जी से भर देता है. इसके बाद न भूख लगती है और ना ही कमजोरी महसूस होती है.

ऐसे होता है तैयार

बाजरे का सत्तू बनाने के लिए पहले बाजरे को हल्की आंच पर भूना जाता है और फिर पीस लिया जाता है, जिससे सत्तू तैयार होता है. इस सत्तू को स्टोर करके करीब दो महीने तक आराम से रखा जा सकता है. जब भी पीना हो, एक गिलास पानी में एक चम्मच सत्तू डालें. इसके साथ आधा नींबू, थोड़ा प्याज, हरी मिर्च, जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और थोड़ा चाट मसाला डालें.

सभी चीजों को अच्छे से मिला लें. अगर आपको थोड़ा गाढ़ा पीना पसंद है तो दो चम्मच सत्तू भी डाल सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि दो चम्मच से ज्यादा न लें, क्योंकि अधिक गाढ़ा सत्तू शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकता है. ये सब डालने के बाद आपका बाजरे का सत्तू ड्रिंक तैयार है.

कमजोरी नहीं महसूस होने देता

आयुर्वेदिक डॉक्टर वीके पांडे बताते हैं कि बाजरे का सत्तू काफी फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें पोषक तत्वों की भरमार है. अगर आपको कमजोरी महसूस होती है, रीढ़ की हड्डी में तकलीफ है, घुटनों में दर्द है या आप जल्दी में हैं और नाश्ता नहीं कर पा रहे हैं, तो इस ड्रिंक को पी लें. इससे चक्कर आना या गैस की समस्या जैसी परेशानियां नहीं होंगी.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पतले होने की चाहत में गई महिला की जान, वेट लॉस सर्जरी के बाद मौत

मेरठ. मेरठ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला के पतले होने की चाहत ने उसकी जान ले ली। वह मोटापा कम करने के कई तरीके अपनाए लेकिन जब फायदा नहीं हुआ तो उसने अस्पताल का रुख किया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। इसे लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। वहीं, डॉक्टरों ने किसी भी तरह की लापरवाही से इनकार कर दिया। ये मामला सदर बाजार क्षेत्र का है। सदर बाजार निवासी ब्रजमोहन गुप्ता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी रजनी गुप्ता व बेटी शिवानी गुप्ता ने पतला होने के लिए न्यूटिमा अस्पताल में ऑपरेशन कराया। रजनी 11 जुलाई को भर्ती हुई थी। ऑपरेशन के कुछ घंटे बाद ही उसके पेट में दर्द होने लगा। इसे लेकर जब डॉक्टरों से पूछा गया तो चिकित्सक डा.ऋषि सिंघल ने ब्रजमोहन गुप्ता के साले अरविन्द गुप्ता मारवाड़ी और बेटे शुभम के सामने स्वीकार किया ऑपरेशन के बाद लीकेज रह गई और मंगलवार शाम डॉक्टरों ने जवाब दे दिया।

रेप पीड़ित नाबालिग से गंदी बातें करने लगा दरोगा, शिकायत हुई तो डिलीट कर दी चैट

रामपुर. यूपी के रामपुर में हैरान कर देने वाला एक मामला सामने आया है। यहां मिलक कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की विधवा महिला ने पुलिस के एक दरोगा पर गंभीर आरोप लगाते हुए डीआईजी और एडीजी को शिकायत भेजी है। महिला का कहना है कि उसकी नाबालिग बेटी कुछ दिन पहले दुष्कर्म का शिकार हुई थी। कथित रूप से उसी थाने के एक दरोगा ने वीडियो कॉल कर उससे अश्लील बातें कीं और फिर बाद में व्हाट्सऐप पर आपत्तिजनक मैसेज भी भेजे। पीड़ित लड़की की मां ने डीआईजी और एडीजी से इस मामले की शिकायत कर दी। आरोप है कि इसके बाद एक सिपाही पीड़िता के घर पहुंचा और जबरन लड़की का फोन लेकर वह चैट डिलीट कर दी।

दरोगा की मौत के बाद भी लगाया वेंटिलेटर, प्राइवेट हॉस्पिटल में परिवार का हंगामा

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ के विभूतिखंड में अयोध्या रोड पर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती प्रयागराज में तैनात दरोगा राजेश यादव (उम्र 45 वर्ष) की वेंटिलेटर पर मौत हो गई। दरोगा की मौत के बाद उनके परिवारीजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। कहा कि मरीज की मौत सुबह हो गई थी लेकिन अस्पताल वालों ने अधिक बिल बनाने के लिए मरीज को वेंटिलेटर पर रखा और रात में मृत घोषित किया। सोमवार रात घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीड़ित बेटे ने मामले की शिकायत करने की बात कही है।

घूसखोरी में चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

अयोध्या. यूपी के अयोध्या में घूसखोरी का आरोप लगने के बाद एसएसपी ने तारुन थाने के गयासपुर चौकी प्रभारी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया है। आरोपों की जांच के लिए एसपी देहात को जिम्मा दिया है। वहीं दो चौकी प्रभारी दरोगा की तैनाती में फेरबदल किया है। बताया गया कि तारुन थाना क्षेत्र के रामदासपुर निवासी शिव प्रसाद पांडेय और शिवपूजन के बीच तारडीह ग्रामसभा स्थित खेती की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। शिव प्रसाद पांडेय की पत्नी अर्चना पांडेय की ओर से पुलिस,तहसील के राजस्व प्रशासन और समाधान दिवस में दी गई शिकायत में कहना है कि विपक्षी शिव प्रसाद ने उनके पति के हिस्से की जमीन का एक हिस्सा जबरिया कब्जा कर लिया है। शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही।

ठाकरे बंधुओं की मराठी एकता के बीच एकनाथ शिंदे का 'दलित' दांव

- भीमराव आंबेडकर के पोते आए साथ

मुंबई. मराठी बनाम हिंदी के विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे दो दशक से ज्यादा की दूरी के बाद साथ आए हैं। बीते सप्ताह दोनों ने एक रैली की थी और मंच पर हाथ उठाकर संदेश दिया कि हम साथ-साथ हैं। इस एकता से एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना को लेकर सवाल खड़े हुए कि आखिर अब उनका क्या होगा। वजह यह है कि शिंदे सेना भी मराठी कार्ड की राजनीति कर रही है और अब इसी मुद्दे पर ठाकरे बंधु साथ हैं। ऐसे में एकनाथ शिंदे ने भी अब बड़ा दांव चल दिया है। मराठी एकता के बरक्स उन्होंने दलित दांव चल दिया है। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के पोते आनंदराज आंबेडकर की पार्टी रिपब्लिकन सेना से हाथ मिला लिया है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने आनंदराज अंबेडकर की रिपब्लिकन सेना के साथ गठबंधन किया है। शिंदे और अंबेडकर ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गठबंधन की घोषणा की। एकनाथ शिंदे ने कहा कि दोनों ताकतें एक साथ आ रही हैं। इसीलिए आज बहुत खुशी का दिन है। उन्होंने कहा, 'सड़कों पर अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले दो संगठन आज एक साथ आ रहे हैं। एक है बालासाहेब की शिवसेना और दूसरी है भारत रत्न बाबासाहेब अंबेडकर की रिपब्लिकन सेना। उपमुख्यमंत्री और शिवसेना के प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे ने विश्वास जताया कि हम साथ मिलकर काम करेंगे।

उनके बगल में बैठे आनंदराज अंबेडकर ने कहा कि हमारी एकता का निश्चित तौर पर असर दिखेगा। शिंदे ने कहा कि आनंदराज आंबेडकर और मैंने हमेशा कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। जब मैं ढाई साल तक मुख्यमंत्री था, तब भी मैं एक आम आदमी था। अब डिप्टी सीएम के रूप में फिर से आम आदमी के लिए समर्पित हो गया हू। उन्होंने कहा कि एक आम आदमी और एक आम कार्यकर्ता होना ही हमारी पहचान है। हमारी प्रतिबद्धता आम आदमी के प्रति है। हमारा रिश्ता आम आदमी से जुड़ा है।

आंबेडकर की वजह से ही मैं बन पाया था सीएम

एकनाथ शिंदे ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान ने आम आदमी, वंचितों, शोषितों की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। मेरे जैसा एक आम आदमी मुख्यमंत्री बन सका। यह बाबासाहेब द्वारा लिखे गए संविधान की वजह से ही संभव हुआ। नरेंद्र मोदी जैसा व्यक्ति प्रधानमंत्री बना। यह शक्ति संविधान की है। बाबासाहेब ने दुनिया के कई संविधानों का अध्ययन करने के बाद अपना संविधान लिखा था। दोनों नेताओं ने ऐलान किया कि शिवसेना और रिपब्लिकन सेना आगामी नगर निगम और जिला परिषद चुनाव मिलकर लड़ेंगे।

शिवशक्ति और भीमशक्ति की एकता का दिया नारा

शिंदे ने शिवशक्ति-भीमशक्ति गठबंधन बनाने की बात की। उनकी कोशिश है कि मराठी वोटों के साथ ही दलित वोटरों को भी साध लिया जाए। बता दें कि भीमराव आंबेडकर के एक और पोते प्रकाश आंबेडकर भी राजनीति में हैं, लेकिन उनका दल अलग है, जिसका नाम है- बहुजन वंचित अघाड़ी।

लद्दाख में मिनी बस खाई में गिरी, 2 की मौत, 8 घायल

कारगिल. लद्दाख के कारगिल जिले के गुमरी में बुधवार सुबह मिनी बस खाई में गिर गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अन्य 6 को हल्की चोटें आई हैं। वाहन चालक हादसे में सुरक्षित बच गया है।

मिनी बस में 17 यात्री सवार थे और द्रास की ओर जा रही थी, जब अचानक रास्ते में वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले

नई दिल्ली. लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने PM मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया।

बिहार चुनाव से पहले बेंगलुरु में कांग्रेस का बड़ा दांव

- OBC मीट में 50% आरक्षण सीमा तोड़ने का संकल्प

बेंगलुरु . बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग को रिझाने के लिए शिक्षा, नौकरियों और अन्य क्षेत्रों में आरक्षण की 50% की सीमा को तोड़ने का संकल्प लिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस की ओबीसी परिषद की बैठक के बाद इसका ऐलान किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) की ओबीसी सलाहकार परिषद की दो दिवसीय बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। आज बैठक का दूसरा और आखिरी दिन है।

कांग्रेस द्वारा गठित ओबीसी सलाहकार परिषद को देश भर में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर रणनीति बनाने का काम सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने परिषद से राष्ट्रव्यापी सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक जाति जनगणना पूरी करने के लिए मौजूदा सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि पिछड़े वर्गों के लिए 75% आरक्षण या जाति जनगणना के आधार पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व के लिए संघर्ष किया जाना चाहिए। उन्होंने निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की वकालत की।

...तो भारत एक सच्चा लोकतंत्र नहीं रह सकता

सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि अगर अल्पसंख्यकों और ओबीसी, एससी और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सहित अन्य हाशिए पर पड़े समुदायों की बात नहीं सुनी जाती, तो भारत एक सच्चा लोकतंत्र नहीं रह सकता। ओबीसी परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ₹अगर ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यकों - यानी अहिंदा समुदायों - की सिर्फ़ गिनती की जाती है, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जाती, तो भारत एक सच्चा लोकतंत्र नहीं रह सकता।₹

यह सिर्फ़ आरक्षण की लड़ाई नहीं: सिद्धारमैया

उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ़ आरक्षण की लड़ाई नहीं है। यह उन लोगों के लिए सम्मान, पहचान और असली ताकत की लड़ाई है, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से इससे वंचित रखा गया है। अहिंदा कन्नड़ में अल्पसंख्यातरु, हिंदुलिदावरु और दलितरु का संक्षिप्त रूप है। कर्नाटक के सामाजिक न्याय के संघर्ष से उपस्थित लोगों को अवगत कराते हुए, मुख्यमंत्री ने 2015 में कंथराज समिति सहित विभिन्न समितियों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का उल्लेख किया, जिन्होंने 1.3 करोड़ परिवारों का सर्वेक्षण किया था।

'कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते'

- CDS बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही
- स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

नई दिल्ली. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है।

CDS ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी C-UAS (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके।

CDS ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में UAV (अनमैंड एरियल व्हीकल) और C-UAS (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं।

CDS बोले- सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया

युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है।

उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

भारत में 5 साल में 65 फ्लाइट्स के इंजन बंद

- RTI में खुलासा- हवा में और टेकऑफ के दौरान शटडाउन,
- 17 महीने में 11 मेडे कॉल

नई दिल्ली. भारत में पिछले पांच साल में 65 फ्लाइट्स में उड़ान के दौरान हवा में या टेकऑफ करते समय इंजन बंद (शटडाउन) हुए. इससे पता चलता है कि हर महीने कम से कम एक विमान का इंजन बंद हुआ. हालांकि, सभी मामलों में पायलट एक ही इंजन से विमान को नजदीकी एयरपोर्ट तक पहुंचाने में सफल रहे.

टाइम्स ऑफ इंडिया को ये जानकारी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) से सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मिली है. दरअसल, अहमदाबाद हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट से पता चला था कि विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हादसा हुआ था.

वहीं, RTI रिपोर्ट से यह भी पता चला कि 1 जनवरी, 2024 से 31 मई, 2025 के बीच 17 महीनों में 11 फ्लाइट्स से 'मेडे' कॉल आईं. इनमें तकनीकी गड़बड़ी की सूचना देकर इमरजेंसी लैंडिंग की मांग की गई. इनमें से चार फ्लाइट्स ने हैदराबाद में लैंडिंग की.

RTI रिपोर्ट में 12 जून दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग ड्रीमलाइनर और 19 जून को इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट शामिल नहीं है. फ्यूल कम होने की वजह से इंडिगो फ्लाइट डायवर्ट कर दी गई थी.

फ्रेंच शब्द से लिया MAYDAY

MAYDAY शब्द फ्रेंच शब्द 'm'aider' से लिया गया है. इसका मतलब है 'मुझे बचाओ'. MAYDAY कॉल आमतौर पर रेडियो के माध्यम से ATC या आसपास के अन्य विमानों को भेजा जाता है. इस सिग्नल का उपयोग तुरंत मदद मांगने के लिए किया जाता है, ताकि इमरजेंसी से निपटा जा सके.

इंग्लैंड के जो रूट 8वीं बार नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज

ICC टेस्ट बैटर्स रैंकिंग

स्थान	टीम	खिलाड़ी	रेटिंग
1	जो रूट	इंग्लैंड	888
2	केन विलियमसन	न्यूजीलैंड	867
3	हैरी ब्रुक	इंग्लैंड	862
4	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	816
5	यशस्वी जायसवाल	भारत	801
6	टेम्बा बावुमा	दक्षिण अफ्रीका	790
7	कमिंदू मेंडिस	श्रीलंका	781
8	ऋषभ पंत	भारत	779
9	शुभमन गिल	भारत	765
10	जेमी स्मिथ	इंग्लैंड	752

- पंत और जायसवाल को एक-एक स्थान का नुकसान
- बुमराह नंबर-1 बॉलर बरकरार

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने एक बार फिर ICC टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ खेले गए तीसरे टेस्ट में रूट ने शानदार 104 और 40 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड को 22 रन की जीत मिली और रूट को 888 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 की रैंक वापस मिल गई।

रूट ने इंग्लैंड के ही हैरी ब्रुक (862 अंक) को पीछे छोड़ा। यह रूट का टेस्ट आठवीं बार नंबर-1 बनना है, और 34 साल की उम्र में वह कुमार संगाकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज हैं। भारत से यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को एक-एक जबकि कप्तान शुभमन गिल को 3 स्थान का नुकसान हुआ है। बॉलिंग रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ जमैका टेस्ट में 48 रन की पारी खेलकर एक स्थान की छलांग लगाई और अब वह 816 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। उनके साथी कैमरन ग्रीन ने भी 46 और 42 रन बनाकर 16 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 29वें स्थान (619 अंक) पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। जबकि हैरी ब्रूक तीसरे पायदान पर खिसक गए हैं।

गेंदबाजों की बात करें तो स्कॉट बोलैंड ने जमैका टेस्ट में हैट्रिक सहित 6 विकेट लेकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 6वीं प्राप्त की। उनके नाम अब तक सिर्फ 16.53 की औसत से 62 टेस्ट विकेट हैं।

परभणी में कपल ने चलती बस से नवजात को फेंका

- कुछ मिनट पहले बस में ही डिलीवरी हुई थी
- कहा- पाल नहीं सकते थे इसलिए मार डाला

परभणी. महाराष्ट्र के परभणी में एक युवती ने चलती बस में बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद महिला और उसके साथ मौजूद शख्स ने नवजात को बस की खिड़की से बाहर फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे पथरी-सेलू रोड की है। ऋतिका ढेरे (19) नाम की महिला पुणे से परभणी जाने के लिए स्लीपर बस में अल्ताफ शेख के साथ सफर कर रही थी। शेख खुद को महिला का पति बता रहा था। यात्रा के दौरान ऋतिका को लेबर पेन शुरू हो गया।

ऋतिका ने बस में ही बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद ऋतिका और अल्ताफ ने नवजात को कपड़े में लपेटा और चलती बस से बाहर फेंक दिया। पुलिस जांच में दोनों ने बताया कि वे बच्चे का पालन-पोषण करने में असमर्थ थे, इसलिए बस से फेंक दिया था।

ड्राइवर ने पूछा तो कहा- पत्नी को उल्टी हुई

बस के ड्राइवर ने देखा कि खिड़की से बाहर कुछ फेंका गया है। जब उसने शेख से इस बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसकी पत्नी को उल्टी हुई थी। इसी बीच सड़क पर एक व्यक्ति ने भी देखा कि बस से कुछ फेंका गया है। जब उसने पास जाकर देखा, तो वह नवजात बच्चा था। उसने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम ने बस रुकवाई। बस की जांच और शुरुआती पड़ताल के बाद ऋतिका और शेख को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों परभणी के रहने वाले हैं और पिछले डेढ़ साल से पुणे में रह रहे थे। दोनों ने खुद को पति-पत्नी बताया लेकिन इसे साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं दे पाए।

दंपती के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 94(3), (5) (जन्म छिपाने और शव को ठिकाने की कोशिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

जा.क्र.उमपा/स.आ./प्र.स.2/143/2025
सहा. आयुक्त यांचे कार्यालय,
प्रभाग समिती क्र. 2. मोहनदास रामरख्यानी हॉल,
सपना गार्डन जवळ, उल्हासनगर- 3
दिनांकः 15/07/20205

नोटीस

महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8(3) अन्वये)

(उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र. 2 चे हद्दीत खाली नमूद केलेल्या ठिकाणी झाड तोडणे व झाडाच्या फांदया छाटणेकरिता प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे. सदर ठिकाणी असणारी झाडे तोडणे व झाडांच्या फांदया छाटणेकरिता मंजुरी मिळणेकामी प्रस्ताव वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र. 2 यांनी वृक्ष प्राधिकरणाच्या सभेपुढे ठेवण्याचे योजिले आहे.

अ. क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडांचे प्रकार	झाडाची संख्या	धोकादायक फांदयाची संख्या	फांदयाची लांबी अंदाजे
1	श्री. मनोज टी. लुंड	बॅ.क्र.314.सी.टी.एस.नं.30885,30885,4954,4955.30966,30967, यु.नं.97,98.99 शिट नं.71 उल्हासनगर-2	पिंपळ	01	02	15 फुट
2	श्रीम. रेणूका. के. सेवकानी (मुख्याध्यापिका), सेवा सदन कॉलेज	सेवा सदन कॉलेज, सेवासदन मार्ग, उल्हासनगर-3	जंगली चिंच	01	04	15 ते 20 फुट
			नारळ	01	04	10 ते 12 फुट
			अशोका	01	06	10 ते 12 फुट
			पिंपळ	01	06	10 ते 15 फूट
3	श्री. राजेन्द्र एस. चौधरी	गणपती मंदीर जवळ, शांतीनगर, उल्हासनगर-3	अशोका	03	03	10 ते 15 फुट
			गुलमोहर	01	01	10 ते 16 फुट
4	श्री. रविंद्रबेहनवाल, (प्र. स्वच्छता निरिक्षक) उल्हासनग महानगरपालिका	खत प्रकल्प केंद्र बोटक्लब, हिराघाट, उल्हासनगर-3	गुलमोहर	01	04	10 ते 15 फुट
5	श्री. भगवान. एस. भालेराव	आजाद नगर, खेमानी, उल्हासनगर-2	उंबर	01	01	10 ते 12 फुट
6	जिल्हा शल्य चिकीत्सक (मध्यवर्ती रुग्णालय)	मध्यवर्ती रुग्णालय, उल्हासनगर-3	जंगली सुकलेले झाड	01	झाड तोडणे आवश्यक वाटते	—-
			बादाम	01	01	10 ते 15 फुट
			उंबर	01	02	15 फुट
			जंगली चिंच	01	02	12 ते 14 फुट

तरी, उक्त ठिकाणी नमुद झाडाच्या फांदया छाटणेकरिता ज्या कुणा इसमाची हरकत असेल त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 21/087/2025 पूर्वी सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र. 2 यांचेकडे सादर करावी, मुदतीत हरकक प्राप्त झाल्यास संबंधितांची सुनावणी घेवून अंतिम निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शिंपी)
वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती क्र. 2
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा. क्र. उमपा/पीआरओ/195/2025
दिनाक 16/07/2025

संक्षेप...

हुक्का पार्लर पर पुलिस ने मारा छापा, 6 गिरफ्तार

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत कासिमपुर कब्रिस्तान के पास चल रहे एक अवैध हुक्का पार्लर पर भिवंडी क्राइम ब्रांच की पुलिस टीम ने छापा मार कर 6 लोगों को हिरासत में लेकर मौके से 9 हजार 600 रुपए की सामग्री जब्त कर लिया है.

पुलिस के अनुसार कासिमपुर कब्रस्तान के पास यह हुक्का पार्लर पिछले दो वर्षों से चोरी छिपे से चलया जा रहा था. स्लम एरिया होने के कारण छोटी उम्र के बच्चे भी आसानी से इन पार्लरों के ग्राहक बन जाते हैं.

ठाणे में महिला ने पुलिस अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया

- रेप के आरोपों की धमकी देकर 40-40 लाख लूटे
- बड़े अफसर निशाने पर थे

ठाणे. ठाणे में एक महिला पर हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपए ऐंठने का आरोप लगा है। उसने कई पुलिसवालों दूसरे सरकारी कर्मचारियों को अपना शिकार बनाया है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ठाणे के दो बड़े पुलिस अफसर (ACP) ने इस महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि महिला ने उन पर झूठे बलात्कार के आरोप लगाने की धमकी देकर उनसे 40-40 लाख रुपए मांगे थे।

जब इस मामले की जांच शुरू हुई, तो पता चला कि यह सिर्फ दो अफसरों का मामला नहीं है, कई और सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाया गया है। यह महिला पहले भी 2016 में उगाही के एक मामले में पकड़ी गई थी।

जांच में सामने आया कि आरोपी महिला खुद को एक

जरूरतमंद महिला पुलिसकर्मी या होमगार्ड बताती थी। फिर वह इसी बहाने कई IPS अफसरों, एक्साइज के अधिकारियों सहित बड़े सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाती थी। अधिकारियों का कहना है कि अभी कई और मामलों की जांच चल रही है और हो सकता है कि और भी पीड़ित सामने आएं।

बदनामी के डर से अफसर चुप रहते थे

बाद में जब उसे मोटी रकम मिल जाती थी, तो वह या तो आरोपों को वापस ले लेती थी या समझौता कर लेती थी। कई बार तो बेचारे अफसर समाज में बदनामी और नौकरी जाने के डर से चुप ही रह जाते थे। एक मामले में तो, उसने एक IPS अफसर को मदद के बहाने एक होटल के कमरे में बुलाया। वहां उसने कथित तौर पर कपड़े उतारे और चुपचाप रिकॉर्डिंग कर ली। बाद में इसी रिकॉर्डिंग से उस अफसर से पैसे वसूले। एक और मामले में, एक बड़े अफसर की पत्नी को महिला को पैसे देने पड़े, ताकि उसके पति पर बलात्कार का केस दर्ज न हो।

ऐसे फंसाती थी जाल में

यह महिला लोगों को फंसाने के लिए बेहद चालाकी से काम करती थी। वह खुद को एक परेशान पूर्व-पुलिसकर्मी या विधवा बताती थी और लोगों से मदद मांगती थी। फिर वह व्हाट्सएप पर बातें करती, वीडियो कॉल करती और सामने से मिलती ताकि लोगों का विश्वास जीत सके।

इन मुलाकातों के दौरान, वह चुपचाप आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड कर लेती थी। कभी-कभी वह मोबाइल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग या छोटे कैमरों का इस्तेमाल करती थी। बाद में इन्हीं रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल वह अधिकारियों को धमकाकर पैसे वसूलने के लिए करती थी, ताकि उनकी बदनामी न हो या उन पर कोई कानूनी कार्रवाई न हो।

विधानसभा में लुंगी-बनियान पहनकर पहुंचे विपक्षी विधायक

- शिवसेना MLA के खिलाफ किया प्रदर्शन
- गायकवाड़ ने कैंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मारा था

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर बुधवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महाविकास आघाड़ी (MVA) के विधायकों ने 'लुंगी-बनियान' पहनकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी से मारपीट के खिलाफ किया गया।

शिवसेना (उद्धव गुट) के विधान परिषद में नेता अंबादास दानवे, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेन्द्र आव्हाड समेत कई विपक्षी नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने अपने पारंपरिक कपड़ों के ऊपर बनियान

और तौलिया (लुंगी की तरह) पहनकर 'गुंडा राज' के खिलाफ नारेबाजी की।

अंबादास दानवे ने कहा कि जब विधायक कैंटीन में ही मारपीट कर रहे हैं, तो इससे साफ है कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी विधायक की आलोचना कर चुके हैं।

शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने 8 जुलाई को खाने की क्वालिटी सही नहीं मिलने पर मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस के कैंटीन स्टाफ के साथ मारपीट की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

मामले को लेकर विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा- वहां खाने की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। मुझे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है।

एंटॉप हिल से लापता बच्ची का शव कोलाबा समुद्र तट से बरामद

मुंबई. 14 जुलाई की रात मुंबई के एंटॉप हिल इलाके से लापता हुई चार साल की बच्ची का शव कोलाबा समुद्र तट से बरामद हुआ। कोलाबा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेने के बाद में बच्ची के अमीरा होने की पुष्टि हुई, जिसकी गुमशुदगी की शिकायत उसकी माँ ने एंटॉप हिल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। शक अमीरा के सौतेले पिता इमरान पर गया है, जिनसे तब से संपर्क नहीं हो पाया है। 14 जुलाई की रात को इमरान कथित तौर पर बच्ची को अपने साथ ले गया था.

नितेश बोले-मदरसों में उर्दू की जगह मराठी पढ़ाई जाए

- मुसलमानों को अजान भी मराठी में देनी चाहिए
- AIMIM ने कहा- भाजपा नेता नफरत फैला रहे

मुंबई. महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि मदरसों में उर्दू की जगह मराठी पढ़ाई जानी चाहिए और मुसलमानों को अजान मराठी में देनी चाहिए। राणे ने यह बयान कांग्रेस के मुंबई के कुछ इलाकों में मराठी पाठशालाएं शुरू करने पर पूछे गए सवाल के जवाब में दिया।

राणे ने बुधवार को कहा कि, 'कांग्रेस को मराठी स्कूल चलाने की जरूरत क्यों है? विपक्ष को मुसलमानों से कहना चाहिए कि अजान मराठी में दी जाए। हमारे मंदिरों के बाहर 'जय श्रीराम' के नारे लगते हैं, लेकिन दुकानों के अंदर 'अब्दुल' बैठा है।'

राणे के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने विरोध जताया है। AIMIM नेता वारिस पठान ने कहा कि बीजेपी नेता धर्म और भाषा के नाम पर नफरत फैला रहे हैं। मुख्यमंत्री को ऐसे नेताओं पर रोक लगानी चाहिए।

कांग्रेस बोली-धर्म और भाषा दो अलग चीजें हैं

कांग्रेस नेता अमीन पटेल ने कहा कि मदरसों में पहले से ही हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है, और कुछ संस्थानों में मराठी भी सिखाई जाती है। उन्होंने कहा, 'अजान अरबी में दी जाती है, धर्म और भाषा दो अलग चीजें हैं।' महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सापकाल ने कहा, 'हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जबरदस्ती तीसरी भाषा थोपने के खिलाफ हैं। हम मारपीट नहीं करेंगे, बल्कि मराठी सिखाएंगे।"

ठाणे में 50 वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

- एक लाख रुपये का जुर्माना वसूला

ठाणे. शहर में ऐप-आधारित पर्यटक बस, टैक्सियों और ओला-उबर जैसी यात्री परिवहन सेवाओं का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है। लेकिन एक गंभीर मामला सामने आया कि कई वाहन चालक यातायात और लाइसेंसिंग नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ठाणे आरटीओ विभाग ने इस विषय को गंभीरता से लेले हुए सख्त कदम उठाया हैं। विभाग ने एक विशेष अभियान चलाकर 50 ओला-उबर टैक्सियों और बसों के खिलाफ कार्रवाई की और एक लाख तक का दंड लगाया।जैसे ही यह देखा गया कि यात्रियों को तत्काल सेवा प्रदान करने के नाम पर नियमों का उल्लंघन करने वाली टैक्सियाँ और बसें सड़कों पर खुलेआम घूम रही हैं,मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों, चौराहों और यातायात-संकुलित क्षेत्रों में वाहनों की कड़ी जाँच शुरू कर दी गई है।घोड़बंदर रोड, तीन हात नाका, भिवंडी आदि स्थानों पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कई चालकों के पास बुनियादी दस्तावेज़ नहीं थे, जबकि कुछ के लाइसेंस की अवधि समाप्त हो चुकी थी। उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि यह भी पता चला है कि कुछ चालक परमिट का दुरुपयोग कर रहे हैं।क्षेत्रीय परिवहन विभाग ने निरीक्षण के दौरान पाई गई त्रुटियों पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की है और सभी चालकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी है। इस अभियान से ठाणे में अवैध टैक्सी चालकों में हड़कंप मच गया है।

परिवहन विभाग ने आम यात्रियों से वाहन सेवाओं का उपयोग करते समय अपने लाइसेंस और दस्तावेज़ों की जाँच करने की अपील की है। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, भविष्य में अनधिकृत, अवैध और फर्जी सेवाएँ प्रदान करने वाले वाहनों के विरुद्ध विभाग की कार्रवाई और भी कड़ी होगी।

–रोहित काटकर,
उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी

शांतिनगर में शौचालय खस्ताहाल

- शिकायत के बाद भी मनपा प्रशासन लापरवाह

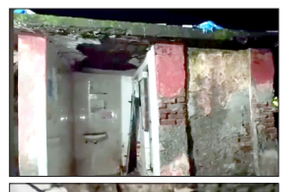

भिवंडी. शांतिनगर तैयबा नगर में स्थित मनपा सार्वजनिक शौचालय जर्जर होने से खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है.वर्षों पहले भिवंडी निजामपुर शहर मनपा द्वारा महिलाओं और पुरुषों के लिए बनाया गया यह 20 सीटों वाला दो मंजिला शौचालय अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका है.

नागरिकों की शिकायत के बाद भी मनपा प्रशासन बेपरवाह बना है.लोगों का कहना है कि, करीब 5,000 की आबादी वाले झोपड़ पट्टी इलाके में यह इकलौता सार्वजनिक शौचालय है. इसकी हालत इतनी खस्ता हो चुकी है कि छतें पानी टपकती रहती हैं.प्लास्टर गिर चुका है. अंदर की लोहे की सरिया में जंग लग चुकी है. दीवारें भी कमजोर होकर किसी भी वक्त गिरने की कगार पर हैं. मनपा जनहित मुद्दे को लगातार नजरअंदाज कर रही है.इलाके की महिलाओं, बच्चों और युवतियों ने भी अपनी परेशानी साझा करते हुए बताया कि वैकल्पिक शौचालय की सुविधा न होने के कारण उन्हें जान हथेली पर रखकर खतरनाक शौचालय का इस्तेमाल करना पड़ता है.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जल्द ही इस जर्जर शौचालय को तोड़कर नया शौचालय नहीं बनाया गया, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है.

राष्ट्रीय क्षय रोग कार्यक्रम की समीक्षा

ठाणे. जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अलका परगे ने 15 जुलाई 2025 को मुरबाड़ तहसील के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, धसाई का दौरा कर राष्ट्रीय क्षय रोग कार्यक्रम की समीक्षा की। उनकी उपस्थिति में कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की गई और क्षय रोग नियंत्रण हेतु चल रहे उपायों पर मार्गदर्शन दिया गया।इस अवसर पर, डॉ. पारगे द्वारा क्षय रोग रोगियों के पोषण हेतु एक गैर-सरकारी संगठन, वेलफेयर सोसाइटी फॉर डेस्टिट्यूट चिल्ड्रन, एकलहरे के सहयोग से तहसील स्तर पर ₹निक्षय पोषण किट₹ वितरण पहल का भी शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत, मुरबाड तहसील के सभी सक्रिय क्षय रोगियों को नियमित पोषण किट का वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर,तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बनसोडे ने भी उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन किया और उन्हें क्षय रोग की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने इस पहल की सराहना की और सामाजिक भागीदारी के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. नंदकिशोर गोर्डे, स्वास्थ्य सहायक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।इस पहल के माध्यम से, न केवल दवाइयों पर बल्कि रोगियों के पोषण स्तर पर भी ध्यान दिया जा रहा है, जो राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के उद्देश्यों के अनुसार एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है यह डॉ. परगे ने बताया।

क्लस्टर, पुनर्विकास योजना धीमी -विधायक केलकर

ठाणे. शहर में पुरानी इमारतों का पुनर्विकास कुछ बिल्डरों द्वारा रोक दिया गया है और निवासियों को 10-20 वर्षों से उनके असली घरों से वंचित रखा गया है, जबकि क्लस्टर जैसी महत्वाकांक्षी योजना में एक भी योजना पूरी नहीं हुई है, इसलिए मिनी क्लस्टर योजना लाकर ठाणेवासियों को राहत दी जानी चाहिए, विधायक संजय केलकर ने सत्र में मांग की।ठाणे में पुरानी इमारतों का पुनर्विकास कुछ बिल्डरों द्वारा धीमी गति से किया जा रहा है और निवासियों को 10 से 20 वर्षों से उनके अपने घरों से वंचित रखा गया है। ऐसी लगभग 20 इमारतों के निवासियों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं और उनकी परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा, महारेरा और अदालत में भी शिकायतें दर्ज की गई हैं, लेकिन समय लेने वाली प्रक्रिया निवासियों को निराश कर रही है। क्या इन निवासियों को न्याय दिलाने के लिए कोई विशेष कानून बनाया जाएगा? विधायक केलकर ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया।ठाणे में स्वामी समर्थ सहकारी आवास समिति की परियोजना भी ठप पड़ी है और यहाँ के निवासी 14 वर्षों से अपने घरों से वंचित हैं। संबंधित डेवलपर ने बिक्री के लिए एक इमारत तो खड़ी कर दी, लेकिन अभी तक निवासियों के लिए इमारत नहीं बना पाया है। दिलचस्प बात यह है कि इस बिल्डर ने 14 करोड़ रुपये का ऋण भी ले रखा है। दूसरी ओर, क्लस्टर जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएँ कछुआ गति से क्रियान्वित हो रही हैं और अभी तक एक भी योजना पूरी नहीं हुई है। जहाँ कोई योजना बनाई जाती है, वहाँ अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे पहले क्षेत्र में जाएँ और निवासियों को सूचित करें और उन्हें विश्वास में लें, लेकिन बिल्डर पहले क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे निवासियों में भ्रम की स्थिति है। केलकर पिछले तीन वर्षों से एक मिनी क्लस्टर योजना की माँग कर रहे हैं और यदि यह योजना लागू होती है, तो ठाणेकर को राहत मिलेगी।बस्ती की सीमा के भीतर हर वार्ड में अनधिकृत निर्माण की शिकायतें आ रही हैं और प्रशासन इस पर आँखें मूंदे हुए है। अंततः, अदालत को उनकी बात अनसुनी करनी पड़ रही है ताकि वे कार्रवाई कर सकें। विधायक केलकर ने बताया कि ऐसे मामलों में आयुक्तों पर भी आरोप लगे हैं और दो अधिकारियों पर 50-50 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। मंत्री महोदय का कहना है कि अनधिकृत निर्माण के मामले में किसी की जवाबदेही नहीं होगी, लेकिन अधिकारी किसका इंतज़ार कर रहे हैं? श्री केलकर ने यह सवाल भी उठाया। अनधिकृत निर्माण के मामले में एक भी सहायक आयुक्त को निलंबित नहीं किया गया है। केलकर ने विश्वास व्यक्त किया कि ठाणे की जनता को तभी राहत मिलेगी जब इस गिरोह का खात्मा हो।

पूर्व और वर्तमान अधिकारियों की संपत्ति घोषित करें

पूर्व और वर्तमान अधिकारियों ने भ्रष्टाचार के ज़रिए करोड़ों रुपये जमा किए हैं। उन्होंने होटलों, रिसॉर्ट्स और इमारतों में पैसा लगाया है। विधायक संजय केलकर ने इन अधिकारियों की संपत्ति घोषित करने की माँग की।

76 साल की हेमा मालिनी ने 30 मिनट डांस किया

- कान्हा बांसुरी बजाते रहे, मथुरा में बोलीं- मुझे बहुत अच्छा लगा...

भाजपा सांसद और एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने मंगलवार रात वृंदावन के राधा रमण मंदिर में नृत्य प्रस्तुति की। राधारमण लाल की रास स्थल पर साथी कलाकारों के साथ भगवान को रिझाया। 76 साल की उम्र में हेमा मालिनी ने 30 मिनट लगाकर नृत्य किया। उनके साथ दो सखियां और कान्हा रूप में कलाकार भी थे।

उन्होंने बाल रूप में कान्हा बने कलाकार और सखियों के साथ मंदिर के रास मंडप पर आराधना की। पायलों की छन-छन से भगवान को रिझाया। हरे रामा...हरे कृष्णा भजन पर कान्हा भी बांसुरी बजाकर झूमते दिखे। कान्हा ने अपनी माला उतार कर हेमा मालिनी को पहना दी। भक्ति में लीन हेमा मालिनी कान्हा के सामने हाथ जोड़कर झुक गईं। शीश नवाकर उन्होंने बड़े खुशी मन से हाथ जोड़ा और माला पहनी। नृत्य प्रस्तुति देख वहां मौजूद हजारों देसी-विदेशी दर्शक भी झूम उठे। भक्त ठाकुर जी के अमृत रस वर्षा में मगन दिखे।

मुझे यहां नृत्य का तीसरी बार मौका मिला

'तिरोभाव' उत्सव कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुति के बाद हेमा मालिनी ने कहा- आज मुझे तीसरी बार यहां राधारमण लाल जी के रास स्थल पर नृत्य करने का अवसर मिला है। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे यहां नृत्य सेवा करने का अवसर मिला। ऐसा मौका बहुत कम मिलता है, मुझे बहुत अच्छा लगा।

'तिरोभाव' उत्सव में पहुंचीं हेमा मालिनी का स्वागत मंदिर के पुजारियों ने उनको प्रसाद और अंग वस्त्र भेंटकर किया। मंदिर के सेवायत और प्रख्यात भागवत प्रवक्ता पुंडरीक महाराज के सानिध्य में सेवा अमृत महा महोत्सव और 'तिरोभाव' उत्सव चल रहा है। इस उत्सव में रोज ठाकुर राधा रमणलाल जू की राग सेवा के साथ विशेष प्रकार के फूल बंगले भी सजाए जा रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर हमला, पिता-पुत्र सहित 3 गिरफ्तार

नालासोपारा. नालासोपारा में ट्रैफिक पुलिसकर्मी द्वारा वाहन चालक से लाइसेंस और दस्तावेजों की मांग करना भारी पड़ गया। युवक ने गुस्से में आकर अपने पिता को मौके पर बुलाया और दोनों ने मिलकर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों से मारपीट कर दी। इस घटना में एक तीसरे व्यक्ति के शामिल होने की भी पुष्टि हुई है। नालासोपारा (पूर्व) के नगीनदासपाड़ा क्षेत्र में ट्रैफिक नियंत्रण का कार्य कर रहे पुलिस हवलदार हनुमंत सांगले और सिपाही शेषनारायण आठरे ने दोपहिया वाहन चालक को रोका पूछताछ के लिए रोका था.

दो मंजिला इलेक्ट्रिक बस में लगी आग

मुंबई. कोलाबा बस डिपो की स्विच डबल डेकर वेट लीज बस में मंगलवार सुबह अचानक आग लगने की घटना घटी। बस में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग लगने की घटना के बाद यात्री किसी तरह बस से उतर कर अपनी जान बचाए। मिली जानकारी के अनुसार सुबह 9:15 बजे सिद्धार्थ कॉलेज सिग्नल के पास बस में आग लगने की घटना घटी। बेस्ट की यह बस भाड़े पर ली गई बस मार्ग संख्या A138 (क्रमांक 37) थी। बेस्ट प्रशासन की ओर से बताया गया कि यह बस भाटिया बाग से बैकबे डिपो की ओर जा रही थी, तभी सामने के बाएं टायर के पास स्थित हाई वोल्टेज बैटरी के नजदीक अचानक आग लग गई। बेस्ट अधिकारियों ने बताया कि बस में आग लगने का कारण सड़क पर बारिश का पानी निकासी के लिए बनाए गए गटर के ढक्कन से बस की बैटरी का हिस्सा टकराया, जिससे बस में आग लगने की घटना घटी।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that MR THAKUR DAS BAJAJ S/O HARCHAND MAL BAJAJ, FLAT NO. 1308, PLOT NO. 64, BREEZE PARK, SECTOR - 14, KOPARKHAIRANE, NAVI MUMBAI – 400709, MAHARASHTRA, INDIA, is applying to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs for Naturalisation, and that any person who knows any reason why Naturalisation should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Secretary.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099